Name - Hema Paraste Mains Test Series 2019
Sub -
Paper II , Contact No. - 7869[illegible]

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

Part - (A) मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

115

1 A) शिशु - जन्म से एक माह तक की अवधि तक के नवजात को शिशु कहा जाता है। इस अवस्था में अति अल्प विकास होता है।

([illegible] तक के शिशु)

1 B - आशय आयुर्वेद, योगा, यूनानी, सिद्ध व होम्योपैथी विधि।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 तहत लागू
भारतीय स्वास्थ्य पद्धति को प्रोत्साहन प्रमुख उद्देश्य

1 C - जनसंख्या परिवर्तन के कारक
- प्रति एक हजार व्यक्तियों पर मृत्यु की संख्या
↓
मृत्यु दर
- प्रति एक हजार व्यक्तियों पर होने वाले जन्मों की संख्या
↓
जन्म दर

D सार्वजनिक जीवन में स्वीकृत नैतिक मूल्यों के विरुद्ध भ्रष्ट आचरण ही भ्रष्टाचार कहलाता है।

E - पूर्ण नाम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद।
- स्थापना 1945 में
- तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता, मानकों, विकास को बढ़ावा देना

- एवियन इंफ्लूएंजा भी कहा जाता है
- विषाणु जनित संक्रमित/संक्रामक रोग
- A (H5N1) वायरस

1 (G) – सांस्कृतिक, प्राकृतिक [illegible] की रक्षा व [illegible]
– [illegible] हुई सामाजिक व नैतिक चुनौतियों का समाधान
सभी के लिये गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करना ।

1 (H) – संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी ।
– स्थापना 1948 ।
– मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड ।
– 194 सदस्य राष्ट्र ।

1 I – किसी बड़े कार्य को अलग-अलग भागों में बांटकर कार्य निर्धारण
– क्षमता व योग्यता आधार पर विभाजन किया जाता
– श्रमिकों के कार्यकौशल व दक्षता में वृद्धि ।

1 J – सामान्यतः स्थायी प्रतिरक्षा होती है
– इम्यूनिटी तुरंत नहीं विकसित होती
– प्रतिरक्षात्मक स्मृति का निर्माण करना

1 K उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता से आशय ऐसे व्यक्ति से है जो वस्तुएं खरीदता है जिसका भुगतान किया गया हो ।

M – म०प्र० व छ०ग० सरकार की पहल
– कोविड -19 से बचाव करना प्रमुख उद्देश्य ।
– मास्क पहनने हेतु प्रेरित करना व सस्ता आर्थिक रूप से ।

N) – प्री-स्कूल व उच्च माध्यमिक स्कूली शिक्षा में सुधार
शिक्षा में सामाजिक व नैतिक कौशल में कमी लाना।
I) – कौशल विकास पर बल।

O) – अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान।
1957 – उच्च मानक कुशल चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराना।
– स्वास्थ्य देखभाल, सेवाओं में अनुसंधान, नवाचार प्रमुख कार्य।

(7)

2 B भारत में महिलाओं की सुरक्षा हेतु किये गए निम्न संवैधानिक प्रावधान
1) मौलिक अधिकार – अनु० 14 – समानता का अधिकार
अनु० 15(3) – महिलाओं व बच्चों के लिए विशेष प्रावधान।
अनु० 19 – अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
2) नीति निदेशक तत्व – अनु० 39(क) – जीविका अर्जन हेतु स्त्री-पुरुष को समान अधिकार
– अनु० 39(घ) – समान कार्य हेतु समान वेतन
3) स्थानीय निकाय – अनु० 243(घ) – महिलाओं हेतु एक तिहाई स्थान/सीटें आरक्षित।
4) मौलिक कर्तव्य – अनु० 51(क) – महिलाओं का सम्मान

(5) (2.5)

2 C

1) अधिनियम की कठिन भाषा - आमजन के समझने में कठिनाई होना।

2) जागरूकता का अभाव - अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में शिक्षा न होना का अभाव।

3) विधिक सहायता अभाव - न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया महंगी व कठिन होना।

4) बदले की भावना - पूर्वाग्रह भावना से झूठे आरोप लगाना जिसे रोकने हेतु नियम न होना।

5) प्रशासनिक शिथिलता - दर्ज प्रकरणों में विभाग या अधिकारी का गंभीर न होना।

6) न्यायिक तंत्र अभाव - दर्ज मामलों में त्वरित सुनवाई न होना।

3.5

2 D नयी उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019, 20 जुलाई 2020 को लागू हुआ है। जिसके निम्न प्रावधान हैं -

- प्रत्येक ई-कॉमर्स इकाई को अपने उत्पाद में मूल देश, विवरण, उत्पाद व अन्य जानकारी देना अनिवार्य हैं।
- यदि किसी उत्पाद या सेवा में दोष पाया जाता है तो निर्माता या विक्रेता को क्षतिपूर्ति हेतु जिम्मेदार माना जाएगा।
- नकली या मिलावटी वस्तुओं के निर्माण और बिक्री में सख्त न्यायालय द्वारा सजा का प्रावधान।
- इलेक्ट्रॉनिक रूप से शिकायतें दर्ज करने का प्रावधान
- उपभोक्ता कल्याण कोष व केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प
- राज्य व जिला आयोगों का सशक्तिकरण करना ताकि वे सम कर सकें।

3.5

कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 (ङ) म०प्र० सरकार द्वारा अब मृत्यु पर रोक लगाने हेतु निम्न उपचारात्मक ... हैं जो इस प्रकार हैं –

– संस्थागत प्रसव हेतु बढ़ावा देना

– किशोर बालिका स्वास्थ्य पर बल

– उपचारात्मक स्वास्थ्य कार्यक्रम – मुख्यमंत्री ... ... कार्यक्रम।

– दीनदयाल अंत्योदय उपचार

– दीनदयाल चलित अस्पताल

– निरोधात्मक स्वास्थ्य कार्यक्रम – जननी सुरक्षा योजना

– मंगल दिवस योजना

– प्रसूति सहायता योजना आदि

(3)

2 घ भारत में स्वास्थ्य के निम्न निरोधात्मक कार्यक्रम हैं –

1) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

– 12 अप्रैल 2005 को शुरुआत।

– ग्रामीण स्वास्थ्य सुधार करना।

– ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करना।

2) राष्ट्रीय आयुष मिशन

– 15 सितंबर 2014 को प्रारंभ

– स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता

3) जननी एक्सप्रेस योजना

– 2006 में प्रारंभ

– गर्भवती स्त्रियों को 24×7 घंटे परिवहन सुविधा

4) अटल बाल आरोग्य व पोषण मिशन

– 2011 में शुरुआत

– बच्चों को कुपोषण से मुक्त करना।

(3)

कौटिल्य एकेडमी
(Mains Answer Sheet)

2 (क) म० प्र० सरकार द्वारा मातृ मृत्यु दर कम करने हेतु निम्न प्रयास किये गये है जो इस प्रकार है –

- संस्थागत प्रसव हेतु बढ़ावा देना
- किशोर बालिका स्वास्थ्य पर बल
- उपचारात्मक स्वास्थ्य कार्यक्रम – पूरक आयरन एवं फॉलिक एसिड कार्यक्रम।
  - दीनदयाल अंत्योदय उपचार
  - दीनदयाल चलित अस्पताल
- निरोधात्मक स्वास्थ्य कार्यक्रम – जननी सुरक्षा योजना
  - मंगल दिवस योजना
  - प्रसूति सहायता योजना आदि

2 (ख) भारत में स्वास्थ्य के निम्न निरोधात्मक कार्यक्रम है –

1) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
- 12 अप्रैल 2005 को शुरुआत।
- ग्रामीण स्वास्थ्य सुधार करना।
- ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करना।

2) राष्ट्रीय आयुष मिशन
- 15 सितंबर 2014 को प्रारंभ
- स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता

3) जननी एक्सप्रेस योजना
- 2006 में प्रारंभ
- गर्भवती स्त्रियों को 24x7 घंटे परिवहन सुवि[धा]

4) अटल बाल आरोग्य व पोषण मिशन
- 2011 में शुरुआत
- बच्चों को कुपोषण से मुक्त करना

2 [I] कुपोषण के मुख्य कारण निम्नलिखित है -

1) गरीबी - धन अभाव से पर्याप्त पौष्टिक भोजन की कमी
2) खाद्य असुरक्षा - निर्धन लोगों तक आहारों की पहुंच न होना
3) बेरोजगार - रोजगार न होने से गुणवत्तापूर्ण भोजन न होना
4) जनसंख्या वृद्धि - बढ़ती जनसंख्या से खाद्यान्न उत्पादन में कमी
5) स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी - ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं पर्याप्त न होना।
6) पोषण ज्ञान न होना - भोजन की पौष्टिकता का ज्ञान न होने से पूरक भोजन न देना।
7) कम उम्र में मां बनना - खराब पोषण के चलते मां का कुपोषित बच्चे को जन्म देना।

4

[J] कोविड-19 रोग के प्रसार के निम्न कारण है -

- कच्चे या अधपके पशु उत्पादों के सेवन से।
- बुखार, खांसी से प्रभावित किसी रोगी व्यक्ति के निकट संपर्क रखने द्वारा।
- भीड़ भाड़ वाले स्थानों में जाने से।
- कोविड-19 प्रभावित क्षेत्रों में विचरण या प्रभावित वस्तुओं को छूने से।
- कोरोना प्रभावित मरीजों से प्रत्यक्ष संबंध द्वारा
- हाथों को बिना धोये विभिन्न चीजों का प्रयोग क
- मास्क व सेनेटाइजर का प्रयोग न करना

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 K

महिलाओं हेतु स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम दो प्रकार है -

1) उपचारात्मक स्वास्थ्य कार्यक्रम

- पूरक आयरन एवं फॉलिक एसिड कार्यक्रम
- दीनदयाल अन्त्योदय उपचार योजना
- दीनदयाल चलित अस्पताल
- स्कूल नियंत्रण कार्यक्रम

2) निरोधात्मक स्वास्थ्य कार्यक्रम

- जननी सुरक्षा योजना
- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व सहयोग योजना
- ममता अभियान
- लालिमा अभियान

2.5

कुपोषण वह अवस्था है जिसमें पौष्टिक पदार्थ और भोजन अव्यवस्थित ग्रहण से होने के कारण शरीर को सही पोषण नहीं मिल पाता है। जिससे शरीर अनेक रोगों से भी ग्रसित होने लगता है।

कुपोषण की समस्या विभिन्न कारणों से उत्पन्न होती है मानव स्वास्थ्य को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। जो इस प्रकार है —

1) जनसंख्या वृद्धि

बढ़ती जनसंख्या के चलते खाद्यान्न उत्पादन में कमी होने से सभी तक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता न होने से भुखमरी व कुपोषण का शिकार हो जाते है।

2) खाद्य असुरक्षा

खाद्य असुरक्षा कुपोषण हेतु मूल कारण है। जिसमें खाद्यान्नों की जगह नगदी फसलों के उत्पादन से खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो गयी।

निर्धनता

धन के अभाव में निर्धन लोग पर्याप्त पौष्टिक चीजे खरीद नहीं पाते है। जिससे उनका पोषण स्तर निम्न रहता है।

4) बेरोजगारी
रोजगार के अभाव के चलते व्यक्ति अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाता है। जैसे - भोजन, शुद्ध पेयजल आदि।

5) पोषण का ज्ञान न होना
बच्चों को बढ़ती उम्र के साथ पूरक भोजन को शामिल करना आवश्यक होता है। परंतु पौष्टिकता का ज्ञान नहीं होने से पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

प्रभाव

- आवश्यक संतुलित आहार की कमी से महिलाओं और बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है जिससे वे कई बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं।

- रक्तअल्पता, घेंघा रोग, सूखा रोग, रतौंधी जैसी अन्य घातक बीमारियाँ कुपोषण का दुष्परिणाम है।

- मानक मानव उत्पादकता दर में कमी होती है। पीढ़ीयों वृद्धि प्रभावित होती हैं।

- महिलाओं में उच्च मातृ मृत्यु दर, कुपोषित बच्चे जन्म देना, स्तनपान प्रभावित होना आदि

- किशोरियों का सही रूप से शारीरिक व मानसिक वि

7/5/6

म०प्र० सरकार महिलाओं की बेहतर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर करने हेतु निम्न कार्यक्रम व योजनाएं लागू की जा रही है। जो इस प्रकार है -

1) महिला स्वास्थ्य हेतु विभिन्न कार्यक्रम

o ममता अभियान
- 2013 में शुरुआत हुई है।
- म०प्र० सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम
- माता व शिशु स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता व मातृ - शिशु मृत्यु दर में कमी लाना।

o अंतरा योजना
- 2017 में प्रारंभ हुई है।
- बच्चों के जन्म में अंतराल रखने व जनसंख्या वृद्धि को रोकने में सहायक।
- अंतरा नामक इंजेक्शन महिलाओं को लगाया जाता है।

o विजयाराजे जननी कल्याण बीमा योजना
- संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना।
- प्रसव दौरान खर्च भार को कम करना।
- प्रसव पूर्व जांच हेतु जागरूक करना।

o जननी सहयोग योजना
- 2006 में शुरुआत हुई है।
- गरीबी रेखा वाले परिवारों की महिलाओं को

निजी संस्थाओं द्वारा स्वास्थ्य चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

- लालिमा अभियान
  - 9 अक्टूबर 2016 को प्रारंभ हुआ है।
  - महिलाओं व किशोरियों में रक्त अल्पता की समस्याओं को दूर करना।
  - कुपोषण का भी निवारण करना।

2) बाल स्वास्थ्य हेतु विशेष कार्यक्रम

गर्भधारण से जन्म तक उसके बाद बाल्यावस्था में स्वास्थ्य देखभाल आवश्यक होता है।

- समेकित बाल विकास योजना
  - 1975 में प्रारंभ हुई है।
  - बच्चों के मनोवैज्ञानिक, शारीरिक, सामाजिक विकास हेतु कार्ययोजना।

- बाल शक्ति योजना।
  - जन्म से पाँच वर्षीय बच्चों में कुपोषण पर न्यूनतम करना।
  - शालेय पोषण पुनर्वास केंद्र की स्थापना

- दस्तक अभियान
  - 2017 में लागू किया गया है।
  - पाँच वर्ष के बच्चे या उससे कम उम्र

आयु वर्ग के बच्चों में हीमोफीलिया, थैलेसीमिया आदि गंभीर रोगों की पहचान कर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना।

- शिशु उत्तरजीविता एवं सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम
  - 1991 में प्रारंभ हुआ है।
  - माताओं द्वारा शिशुओं के स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को प्रदान करना प्रमुख उद्देश्य है।

- अटल बाल आरोग्य और पोषण मिशन
  - इसकी शुरुआत 2011 में हुई है।
  - महिलाओं को शिशुओं को स्तनपान कराने हेतु प्रेरित करना।
  - कुपोषण की रोकथाम हेतु आवश्यक उपाय

- मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना
  - हृदय रोग से प्रभावित बच्चों का निशुल्क ऑपरेशन कराया जाता है।
  - गरीब बच्चों को साइकिल दी गयी।

- मंगल दिवस योजना
  - आंगनवाड़ी केंद्रों के तीन से 6 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती माताओं को पोषण आहार प्रदाय किया जाता है।

Part - B

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

1 A – कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में कमेटी 2017
– नई शिक्षा नीति 2020 तैयार
– प्राथमिक, तकनीकी व अन्य में गुणवत्ता सुधार लाना शिक्षा में

1.5

1 B – मेनिनजाइटिस, डायरिया, न्यूमोनिया
– टी.बी. रोग दूर किया जाना
– इंजेक्शन द्वारा टीकाकरण करना।

2.5

1 C निशक्तजन वे व्यक्ति होते हैं जो दृष्टिहीनता, श्रवण शक्ति का ह्रास, चलन निशक्तता, मानसिक रुग्णता व मंदता से पीड़ित हो जो शारीरिक व मानसिक रूप से बाधित होते हैं

2

1 D – 1997 में शुरुआत हुई।
– निरोधात्मक कार्यक्रम
– शिशु-मातृ मृत्यु दर में कमी व टीकाकरण सुविधा प्रदाय

1.5

1 E – सरकार की कुल आय और व्यय में अंतर
– इसकी पूर्ति हेतु आरबीआई द्वारा ऋण लिया
– राजस्व में कमी, महामारी आदि प्रमुख कारण
– विकासशील सदस्य देशों को ऋण की उपलब्ध
– विकास परियोजनाओं, कार्यक्रम आदि हेतु तकनीक
– सदस्य देशों के नीति व योजनाओं के अनुरोध

1

- एक व्यक्ति से दूसरे में रोग प्रसार होना।
- वायु, जल, भोजन, संपर्क आदि से संचरण
- जीवाणु, विषाणु, कवक, रोग शामिल (1)

- एनीमिया कहा जाता है।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होना। (1)
- थकान, त्वचा रंग पीला होना आदि लक्षण

- चिकित्सा पद्धति के प्रकार
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदाय
- जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में संचालित है। (1)

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत धारा 2(ग) में पर्यावरण प्रदूषण से आशय किसी भी पर्यावरणीय प्रदूषक का पर्यावरण में उपस्थित होना है। (2)

- म० प्र० लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत गठित।
- आवेदन, लोक सेवाएं, प्रमाण पत्र आदि की प्राप्ति।
- तय समय सीमा के भीतर सेवा प्राप्ति प्रमुख उद्देश्य (2)

- शिक्षा प्रणाली का प्रकार
- दूरस्थ शिक्षा केंद्रों के माध्यम से शिक्षा प्राप्ति
- जैसे - इग्नू, भोज विश्वविद्यालय आदि। (2)

2(c) संगठन
- संस्थापक राष्ट्र भारत, पाकिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, नेपाल
बांग्लादेश तथा भूटान है।

उद्देश्य
- सदस्य देशों के लोगों का कल्याण व जीवन स्तर में सुधार
- आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास में तेजी लाना
- सामूहिक आत्मनिर्भरता में वृद्धि करना।
- पड़ोसी देशों में मध्य सहयोग व समस्या के समाधान को

भविष्य
- पड़ोसी राज्यों के मध्य संबंधों में सुधार।
- साफ्टा संस्था की पहल के द्वारा उदार व मुक्त व्यापार को
- आतंकवाद, बाढ़ नियंत्रण, तस्करी आदि समस्याओं का समा

2 (e) - परिवार स्वास्थ्य, परिवार में व्याप्त स्वास्थ्य समस्याओं से संब
- इसके प्रमुख निर्धारक - आनुवांशिकी, स्वास्थ्य सेवा
पर्यावरण, व्यक्तिगत स्वास्थ्य व्यवहार है।
- परिवार स्वास्थ्य में तकनीकी का उपयोग और
जिसमें टेलीमेडिसिन, धारणीय यंत्र, मोबाइल स्व
है।
- इसे प्रभावित करने वाली प्रमुख समस्यायें प्रजन
सुरक्षित मातृत्व, किशोर स्वास्थ्य, पारिवारिक नियोजन
- परिवार स्वास्थ्य हेतु परिवार में जिम्मेदार अ
माता पिता व बड़ों का, घर का वातावरण महत्व
- परिवार नियोजन परिवार स्वास्थ्य के मामले में वि

(ग) - भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
- 1951 के प्रथम स्थापित
- तकनीकी शिक्षा का विकास व अनुसंधान हेतु

1.5

(ङ) भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ

- **संघ-राज्य सेवा**

केंद्र-राज्य दोनों के अंतर्गत सेवा आती है। जिसमें सेवा सदस्य केंद्र सरकार या प्रांत सरकार के उच्च पद पर कार्य करता है।

- **भारतीय प्रशासन धुरी**

देश की प्रशासनिक संरचना का मूल ढांचा है। जिसमें केंद्रीय, अखिल व राज्य सेवाओं आदि के साथ मिलकर कार्य करते हैं।

- **प्रतिनियुक्ति प्रणाली**

सदस्यों की नियुक्ति राज्य संवर्ग में चार या तीन वर्ष की पदावधि हेतु नियुक्ति की जाती है।

- **सामान्य सेवा** -

इनका सेवा क्षेत्र सामान्य प्रशासन के अंतर्गत आता है

3

2 D

- इस अधिनियम के तहत कुल 04 अध्याय व 31 धाराएँ शामिल हैं।
- उपभोक्ता संरक्षण परिषद् के तहत धारा-4 में केंद्रीय व धारा-7 राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद् की स्थापना
- उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी, शोषण से बचाने हेतु इनके अधिकारों की रक्षा करता है।
- जिला पीठ में ऐसे परिवादों को ग्रहण किया जाता जिसकी वस्तु, सेवा मूल्य बीस लाख रुपए से अधिक न हो।
- राष्ट्रीय आयोग में एक करोड़ रुपए से अधिक के परिवाद ग्रहण किया जा सकता।
- धारा 30 में राष्ट्रीय आयोग द्वारा नियम बनाने की शक्ति प्रदान किये जाना।

3

2 H

2 H

- लोकसभा द्वारा भ्रष्टाचार रोकथाम (संशोधन) विधेयक 201[illegible] में पारित किया है।
- जिसमें रिश्वत देने वालों के साथ लेने वालों को भी अपराधी माना गया हैं।
- लोक सेवकों को रिश्वत देने या लेने का दोषी पाए[illegible] पर जुर्माने के अलावा सात वर्षों की कैद की स[illegible]
- विधेयक के अंतर्गत मजबूरी में दी गई रिश्वत के सुरक्षा प्रदान की गई है।
- रिश्वत देने वाले वाणिज्यिक संगठनों को अभि[illegible] या दंड हेतु उत्तरदायी माना गया हैं।
- भ्रष्टाचार या लेन देन के मामलों में मुकदमा नि[illegible]

3

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet) कौटिल्य एकेडमी

(A) जनांकीय लाभांश
- जनसंख्या की संरचना में आए अनुकूल परिवर्तनों से प्राप्त आर्थिक विकास पर।
- तीन वर्गों में विभाजित - किशोर, प्रौढ़, वृद्ध आयु।

महत्व

- मानव संसाधन रूप में लाभ होना।
- जीडीपी वृद्धि दर में सहायक।
- उत्पादन बढ़ोत्तरी में।
- श्रम उत्पादन में।
- आर्थिक, सामाजिक विकास में सहयोगी।
- अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक।

2 J - अधिक से अधिक रोजगारों का सृजन व अवसर प्राप्त होना।
- कुशल व बड़े कार्यकर्ताओं का निर्माण होना जिससे उत्पादन वृद्धि में प्रभाव होगा।
- कौशल आधारित शिक्षा से नवाचार व शोध की संभावना बढ़ेगी जो व्यावसायिक क्षेत्र को विकास बल देगा।
- व्यावसायिक शिक्षा द्वारा मूल्य कुशल श्रमशक्ति में बढ़ोत्तरी होगी।
- सेवा क्षेत्र में कार्यशील लोगों की वृद्धि होगी।
- स्वरोजगार का विभिन्न क्षेत्रों में रुचि अनुसार सृजन होना।
- इसके द्वारा व्यावसायिक कौशल की सहायता का कि

प्रश्न संख्या

2 1 - वसुधैव कुटुंबकम की संकल्पना पर आधारित अभियान है। जिसे कोरोना महामारी के दौरान घोषित किया है।

- जिसमें महामारी दौरान प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों के लिए आर्थिक पैकेज प्रोत्साहन पैकेज के रूप में वित्तीय सहायता देने का प्रयास किया है।

- पाँच स्तंभ शामिल है जिनमें अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, प्रौद्योगिकी, जनसांख्यिकी, मांग।

- आर्थिक प्रोत्साहन की राशि व्यक्ति के सीधे बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के तहत प्राप्त होगी।

- उद्योगों के तहत एमएसएमई क्षेत्र में क्रेडिट गारंटी प्रदान किया गया है ताकि वित्तीय संकट का बोझ न हो

(1½)

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

[A] म०प्र० में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति आज भी नगरीय स्वास्थ्य सेवाओं की अपेक्षा काफी पिछड़ी हुई है। जिसे हम 'संरचना' के आधार पर देख सकते हैं। –

ग्रामीण स्वास्थ्य संरचना

- आशा कार्यकर्ता
- स्वास्थ्य उपकेंद्र
- प्राथमिक सेवा केंद्र
- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

1) आशा कार्यकर्ता
- प्राथमिक स्वास्थ्य सेवायें प्रदाय करती हैं।
- स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देती हैं।
- स्वास्थ्य संबंधित योजना, कार्यक्रमों के बारे में जागरूक करती हैं आदि।

2) स्वास्थ्य उपकेंद्र
- ग्राम स्तर स्वास्थ्य केंद्र हैं।
- लगभग 3000 आबादी को स्वास्थ्य सेवायें प्रदाय करना।
- जिसमें एक नर्स या महिला एवं पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता होना आवश्यक है।
- गर्भवती क

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

कार्य
- गर्भवती महिला की जाँच एवं प्रसव सुविधाएं देना
- टीकाकरण
- परिवार नियोजन सुविधाएं उपलब्ध कराना
- सामान्य रोगों का इलाज
- पल्स पोलियो अभियान का संचालन।

3) प्राथमिक सेवा केंद्र
- 20,000 आबादी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदाय करना।
- रखरखाव राज्य सरकारों द्वारा किये जाना।
- एक चिकित्सा अधिकारी व सहायक चिकित्सक व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकता होती है

कार्य
- मातृ-शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन कार्य
- शुद्ध पेयजल आपूर्ति एवं स्वच्छता
- आधारभूत प्रयोगशाला सेवाओं की उपलब्धता
- गंभीर मामलों को प्राथमिक उपचार उपरांत उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करना।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाओं का कार्यान्वयन आदि।

4) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन हेतु स्थापित
- 1,20,000 जनसंख्या को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना
- जिनमें न्यूनतम 04 विशेषज्ञ चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टॉफ व अन्य कर्मचारी आवश्यक होते हैं।

→ कार्य
- विशेषज्ञों द्वारा गंभीर मामले वाले रोगियों को राज्य स्तरीय या जिला स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा जाता है।
- कम से कम 30 बिस्तरों के साथ एक ऑपरेशन थियेटर, एक्स-रे, प्रयोगशाला की सुविधाएं प्रदान करना।
- चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों हेतु केंद्र के रूप में कार्यरत होना।

इस प्रकार सरकार ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु प्रयासरत है ताकि हे ग्रामीण स्तर में स्वास्थ्य सेवायें सभी को उपलब्ध हो सके जिसमें चालित अस्पताल, दीनदयाल अंत्योदय स्वास्थ्य योजना आदि कार्यक्रमों/योजनाओं के द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं प्रदान किया जा रहा है।

8